

न्यायालय सहायक कलक्टर (एस।डी।ओ।) जायल जिला नागौर
बईजलास श्री सुरेश कुमार प्रथम आर।ए।एस।

राजस्व वाद संख्या- 161/2017

1. यस्तीराम पुत्र बुधाराम, जाति जाट,
निवासी डिडिया कल्तां, तहसील जायल, जिला नागौर



वादी

यनाम

1. चुका देवी पुत्री बुधाराम, जाति जाट,
निवासी डिडिया कल्तां, तहसील जायल, जिला नागौर
2. गीता पुत्री बुधाराम पत्नि बक्साराम निवासी वांसडा फौत के कायम मुकामान
2/1. भौजाराम पुत्र बक्साराम
2/2. जयपाल पुत्र बक्साराम
2/3. सरजू पुत्री बक्साराम
2/4. रामजीत पुत्र रामनिवास
2/5. सोनकी पत्नि रामनिवास, निवासीगण वांसडा तहसील नागौर
3. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार जायल

..... प्रतिवादीगण


वाद वास्ते घोणा खातेदारी व विभाजन,
अधीन धारा 88 व 53 राज. टिनेन्सी एक्ट

- उपरिथत अधिवक्ता- 1. वादी की ओर से जीयाराम गोदारा, एडवोकेट
2. प्रतिवादी संख्या 1 व 2 की ओर से श्री शिवकुमार पाराशर एडवोकेट
3. प्रतिवादी संख्या 3 के ईकतरफा कार्यवाही है।

:: निर्णय ::

दिनांक -28.08.2019

वादी के वाद का संक्षेप में सार इस प्रकार हैं कि वादी ने अपनी वंशावली पेश करते हुए कथन किया कि वादी तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 की संयुक्त खातेदारी की पुरतनी भूमियां मौजा डिडिया कल्तां तहसील जायल में खसरा

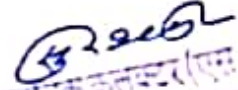

सहायक कलक्टर (एस.डी.ओ.)
जिला नागौर

नं. 113 रकबा 5.19 बीघा, खसरा नं. 434 रकबा 3.18 बीघा, खसरा नं. 435 रकबा 7.00 बीघा, खसरा नं. 437 रकबा 4.04 बीघा, खसरा नं. 438 रकबा 3.16 बीघा तथा खसरा नं. 441 रकबा 1.08 बीघा कुल रकबा 26.05 बीघा आई हुई है। जिसमें वादी तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 का बराबर बराबर हिस्सा है। राजकीय रेकर्ड में भूमियां श्री युधाराम के नाम दर्ज है जिनका स्वर्गवास हो गया है। लेकिन फातगी नामान्तरकरण नहीं करा गया है। इसलिए यह दावा वास्ते घोषणा खातेदारी के लिए पेश है। इनके अलावा युधाराम के और कोई संतान नहीं है। अब वर्ष 2065 में आखातीज को पक्षकारान ने घरेलू तौर पर अपनी भूमियों का विभाजन कर लिया है जिसके अनुसार वादी के बंट में वादग्रस्त भूमि मौजा डिडिया कल्लां में खसरा नं. 113 रकबा 5.19 बीघा, खसरा नं. 434 रकबा 3.18 बीघा, खसरा नं. 435 रकबा 7.00 बीघा, खसरा नं. 437 रकबा 4.04 बीघा, खसरा नं. 438 रकबा 3.16 बीघा तथा खसरा नं. 441 रकबा 1.08 बीघा रखे है। प्रतिवादीगण के कोई भूमि नहीं रखी है क्योंकि वे शादीसुदा है ती अपने ससुराल में रहती है तथा वंहा उनका बंट है। लेकिन इसके बाद भी इस विभाजन का अमल दरामद राजकीय रेकर्ड में नहीं हुआ है इसलिए यह दावा वास्ते विभाजन के लिए पेश किया जा रहा है तथा राज्य सरकार ऐसे दावों में आवश्यक पक्षकार होने से तहसीलदार जायल को भी पक्षकार बनाया है।

वादी का वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 व 2/1, 2/3, 2/4, व 2/5 की ओर से श्री शिवकुमार पाराशर अधिवक्ता ने वकालत नामा मय ईकवाली जयाव दावा पेश कर वाद से सहमति जताई तथा प्रतिवादी संख्या 2/2 तथा 3 के बावजूद तामील गैर हाजिर रहने तथा से उनके विरुद्ध ईकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। साक्ष्य वादी में शपथ पत्र वादी दस्तीराम, प्रतिवादी संख्या 1 चुकादेवी तथा गवाह रामनिवास के शपथ पत्र पेश किये। तथा दस्तावेजी साक्ष्य में नकल खतौनी संवत् 2068 से 2071 प्रदर्श 1 पेश की गई। तथा साथ ही ग्राम पंचायत डिडिया कल्लां तथा ग्राम पंचायत अमरपुरा का प्रमाण पत्र तथा श्री युधाराम तथा उनकी पत्नि घेवरी का मृत्यु प्रमाण पत्र भी पेश किये। तथा वकील वादी ने साक्ष्य बंद की।

वहस वकील वादी की ईकतरफा सुनी गई। जिन्होंने वाद पत्र में किये गये कथनों को दोहराया तथा वाद को डिक्ली करने का निवेदन किया। मेरे द्वारा वादी के अभिकथनों तथा साक्ष्य में प्रस्तुत शपथ पत्र तथा दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। हमने वादी के वाद तथा प्रस्तुत साक्ष्य और दस्तावेजों से वादी के वाद की पूर्णतया ताईद होती है। तथा किसी भी पक्षकार द्वारा वाद का विरोध नहीं किया गया है। अतः वाद वादी स्वीकार किया जाकर निम्न प्रकार से डिक्ली किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

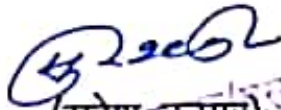
1. कि यह घोषणा की जाती है कि वादग्रस्त भूमि मौजा डिडिया कल्लां में खसरा नं. 113 रकबा 5.19 बीघा, खसरा नं. 434 रकबा 3.18 बीघा, खसरा नं. 435 रकबा 7.00 बीघा, खसरा नं. 437 रकबा 4.04 बीघा, खसरा नं. 438 रकबा 3.16 बीघा तथा खसरा नं. 441 रकबा 1.08 बीघा वादी तथा प्रतिवादी संख्या 1 व 2 की संयुक्त खातेदारी की है।


सहचरक जलस्टर (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर

2. कि इराका विभाजन पक्षकारों के बीच करते हुये उपरोक्त भूमि गौजा डिडिया कल्लों की खरारा नं. 113 रकबा 5.19 बीघा, खरारा नं. 434 रकबा 3.18 बीघा, खरारा नं. 435 रकबा 7.00 बीघा, खरारा नं. 437 रकबा 4.04 बीघा, खरारा नं. 438 रकबा 3.16 बीघा तथा खरारा नं. 441 रकबा 1.08 बीघा को अकेले वादी बस्तीराम के बंट कब्जा कारत व खातेदारी की घोषित किया जाता है।

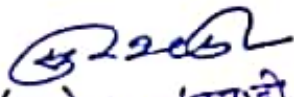
:: आदेश ::

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादीगण का स्वीकार किया जाकर डिक्ली किया जाता है। इसी माफिक डिक्ली पर्चा भरा जाकर तहसीलदार जायल को राजस्व रिकार्ड में अमल दरागद हेतु तहरीर जारी हो।


(सुरेश कुमार)
पीठासीन अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलक्टर, जायल।

निर्णय आज दिनांक 28.08.2019 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(सुरेश कुमार) डी.ओ.
पीठासीन अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलक्टर, जायल।